

पीके० मिश्र,
सचिव ।

अर्द्यशा ०५०००/ 4038 /अ.र-88-99/94/

संस्थागत वित्त विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन,

लखनऊ : दिनांक : दसम्बर 23, 1994

ADM (FIR) प्रिय महोदय,

जिला मजिस्ट्रेट
सुल्तानपुर

31/12/94

सुखराजस्य
लेखाकार

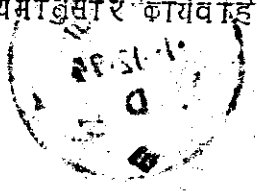
ADM (FIR)
21-12-94

श्री गी० इफ्तखारुद्दीन,
जिलाधिकारी,
सुल्तानपुर

श्री गी० इफ्तखारुद्दीन
ACRA

सुखराजस्य
लेखाकार

बैंकों द्वारा शासन के संज्ञान में यह बात लाई जा रही है कि कतिपय अवसरों में शाखाओं द्वारा बैंक ऋणों की वसूली हेतु जारी किये गये वसूली प्रमाण पत्रों को किन्हीं कारणोंवश वापस कर दिया जाता है जिससे बैंक ऋणों की वसूली प्रभावित होती है। आप सहमत होंगे कि बैंकों और अन्य केन्द्रीय संगठनों द्वारा जो ऋण दिये जाते हैं उनकी वसूली के संबंध में स्थगन अथवा क्विजबन्दी किये जाने के निर्देश राज्य सरकार द्वारा दिया जाता सम्भव नहीं है। अतः ऐसी स्थिति में वसूली प्रमाण पत्र को तकनीकी आधार पर वापस न करके संबंधित वृत्तियां अगर कोई हों तो उनका निराकरण किया जाय तथा संबंधित मामलों में नियमानुसार कार्यवाही की जाय।



मजिस्ट्रेट,
पीके० मिश्र ।